SEMESTER-1

Course Code : HN 401 **Credit : 3**

आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

हिंदी साहित्य के इतिहास में आदिकालीन काव्य एवं भक्तिकाल की एक प्रमुख शाखा निर्गुण भक्तिकाव्य का विशेष महत्त्व है । निर्गुण भक्तिकाव्य का स्रोत आदिकालीन सिद्ध-नाथ साहित्य में परिलक्षित होता है । अतः प्रस्तुत पत्र में आदिकालीन कवियों के साथ-साथ भक्तिकालीन निर्गुण काव्य एवं कवियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया जाएगा ।

इकाई 1 : सरहपाद एवं गोरखनाथ : आदिकालीन काव्य
सं.- वासुदेव सिंह
(विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)
पाठ्य पद सं.- [दोहाकोष से दोहा- 1,2,5,6,7,9,11,12,13,14, सबदी से छंद संख्या- 3,5,6,8,9,13,14,17,18,19]

इकाई 2 : विद्यापति : विद्यापति पदावली, सं- आनंद प्रकाश दीक्षित
(साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर, 2002)
पाठ्य पद सं.-[1,2,8,9,10,12,13,14,16,21,24,28,31,36,37,39,42, 59,70 और 79]

इकाई 3 : कबीर ग्रंथावली : संपादक- श्यामसुंदर दास
(नागरी प्रचारिणी सभा, काशी)
पाठ्य पद : आरंभिक 20 पद ।

इकाई 4 : जायसी : पद्मावत, संपादक- वासुदेवनारायण अग्रवाल
पाठ्य पद : नागमती वियोग खंड
(साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी)

संदर्भ ग्रंथ :

1. सांकृत्यायन, राहुल, *हिंदी काव्यधारा,* किताब महल, इलाहाबाद, 2001.
2. पांडेय, शंभुनाथ, *आदिकालीन हिंदी साहित्य,* विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 1998.
3. मिश्र, शिवकुमार, *भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य,* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010.
4. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, *कबीर,* राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010.
5. अग्रवाल, पुरुषोत्तम, *अकथ कहानी प्रेम की*, राजकमल प्रकाशन, 2005.
6. श्रीवास्तव, वीरेंद्र, विद्यापति : *अनुशीलन एवं मूल्यांकन : दो खंडों में,* बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, 2008.
7. सिंह, शिवप्रसाद, *विद्यापति*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1998.
8. सक्सेना, द्वारिकाप्रसाद, *हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि*, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 2003.
9. साही, विजयदेवनारायण, *जायसी,* हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1995.
10. स्नातक, विजयेंद्र, *कबीर*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1993.
11. शुल्क, रामचंद्र, *जायसी : एक नई दृष्टि*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2001.

SEMESTER-1

Course Code : HN 402 **Credit : 3**

छायावादी काव्य

छायावाद के चार प्रमुख कवियों प्रसाद, पंत, निराला एवं महादेवी की मुख्य काव्यकृतियों से विद्यार्थियों को परिचित कराना ही इस पत्र का उद्देश्य है ।

इकाई 1 : जयशंकर प्रसाद : कामायनी
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
पाठ्य अंश : श्रद्धा सर्ग

इकाई 2 : सुमित्रानंदन पंत : आधुनिक कवि : सुमित्रानंदन पंत
पाठ्य कविताएँ- मौन निमंत्रण, सांध्यतारा, नौकाविहार

इकाई 3 : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राग-विराग, सं. रामविलास शर्मा
लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
पाठ्य कविताएँ- जुही की कली, बादल-राग-1, भिक्षुक

इकाई 4 : महादेवी वर्मा : आधुनिक कवि : महादेवी वर्मा
पाठ्य कविताएँ- मैं नीर भरी दु:ख की बदली, जाग तुझको दूर जाना, यह मंदिर का दीपक

संदर्भ ग्रंथ:

1. मुक्तिबोध, गजानन माधव, *कामायनी: एक पुनर्विचार*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008.
2. सिंह, रामलाल, *कामायनी अनुशीलन*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000.
3. शास्त्री, जानकीवल्लभ, *महाप्राण निराला*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009.
4. रघुवंश, *आधुनिक कवि निराला,* हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली, 2006.
5. लाल, शारदा, *सुमित्रानंदन पंत : कवि और काव्य*, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, 1997.

6. मदान, इंद्रनाथ, *महादेवी*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2001.
7. श्रीवास्तव, परमानंद, *महादेवी*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2004.
8. पांडेय, गंगाप्रसाद, *महीयसी महादेवी*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2009.
9. सिंह, नामवर, *छायावाद*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1998.
10. सिंह, नामवर, *आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2004.
11. सिंह, उदयभानु, *छायावाद,,* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.

SEMESTER-1

Course Code : HN 403 **Credit : 3**

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल

इस पत्र में हिंदी साहित्येतिहास के आदिकाल से लेकर रीतिकाल तक का संपूर्ण अध्ययन अपेक्षित है ।

इकाई 1 : साहित्य दर्शन और साहित्येतिहास, हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, हिंदी साहित्य के इतिहास का कालविभाजन एवं नामकरण ।

इकाई 2 : आदिकाल : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन हिंदी साहित्य की विभिन्न धाराएँ (सिद्ध, नाथ, जैन, रासो, लौकिक साहित्य आदि), आदिकालीन गद्य साहित्य ।

इकाई 3 : पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, भक्ति आंदोलन, भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराएँ (निर्गुण तथा सगुण) भक्तिकालीन गद्य साहित्य ।

इकाई 4 : उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न कावयधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त), रीतिकालीन गद्य साहित्य ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र, *हिंदी साहित्य का इतिहास*, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 2002.
2. नगेंद्र, *हिंदी साहित्य का इतिहास*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2005.
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, *हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास*, लोकभारती प्रकाशन, 1986.
4. गुप्त, गणपतिचंद्र, *हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : प्रथम खंड*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.

5. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, *हिंदी साहित्य की भूमिका*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1988.
6. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, *हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1986.
7. द्विवेदी, हजारीप्रसाद, *हिंदी साहित्य का आदिकाल*, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000.
8. मिश्र, शिवकुमार, *भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य*, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1991.
9. पांडेय, मैनेजर, *साहित्य और इतिहास दृष्टि*, पीपुल्स लिटरेसी, 1981.
10. नगेंद्र, *रीतिकाव्य की भूमिका*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1995.
11. सिंह, बच्चन, *हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2002.
12. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, *हिंदी साहित्य का अतीत*, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2000.
13. शर्मा, रामविलास, *परंपरा का मूल्यांकन*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2004.

SEMESTER-1

Course Code : HN 404 **Credit : 3**

भारतीय काव्यशास्त्र एवं आलोचना

इस पत्र के अंतर्गत विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतन परंपरा तथा रस, छंद एवं अलंकार आदि की जानकारी देना ही मुख्य उद्देश्य है । इसके साथ ही हिंदी आलोचना का परिचय भी दिया जाएगा ।

इकाई 1 : (क) काव्य लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन एवं शब्द शक्तियाँ
(ख) रस संप्रदाय : प्रवर्तक और आचार्य, रस का स्वरूप,अंग, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण ।

इकाई 2 : (क) अलंकार संप्रदाय : प्रवर्तक एवं आचार्य, अलंकार परिभाषा, वर्गीकरण, काव्यालंकार का महत्त्व ।
(ख) ध्वनि संप्रदाय : प्रवर्तक और आचार्य, ध्वनि : स्वरूप, भेद-ध्वनि काव्य, गुणीभूत व्यंग्य एवं चित्र-काव्य ।

इकाई 3 : (क) वक्रोक्ति संप्रदाय : प्रवर्तक एवं आचार्य, वक्रोक्ति : स्वरूप एवं प्रमुख छः भेद ।
(ख) रीति संप्रदाय : प्रवर्तक एवं आचार्य, रीति : अवधारणा, भेद, रीति एवं गुण ।
(ग) औचित्य संप्रदाय : प्रवर्तक एवं आचार्य, औचित्य : स्वरूप, भेद एवं महत्त्व ।

इकाई 4 : हिंदी आलोचना :
हिंदी आलोचना का विकास : रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. नगेंद्र, *भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका,* नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1998.
2. चौधरी, सत्यदेव, *भारतीय काव्यशास्त्र*, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003.
3. मिश्र, भगीरथ, *काव्यशास्त्र*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1995.
4. नगेंद्र, *रस सिद्धांत*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1999.
5. नगेंद्र, *रीतिकाव्य की भूमिका*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.
6. राय, गुलाब, *काव्य के सिद्धांत और अध्ययन*, आत्माराम एंड संस, दिल्ली, 2000.
7. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, *रस-मीमांसा,* हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली, 2008.
8. गुप्त, गणपतिचंद्र, *भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2002.
9. पांडेय, शशिभूषण शीतांशु, *भारतीय काव्यशास्त्र और शैलीविज्ञान*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2002.
10. मिश्र, रामदहिन, *काव्य-दर्पण*, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1983.